Pro

Chapter 29

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	אִישׁ	תּוֹכָחוֹת	מַקְשֶׁה־	עֹרֶף	פֶּתַע	יִשָּׁבֵר	וְאֵין	מַרְפֵּא׃
	मनुष्य	डाँटों-की	कठोर-करने-वाला-	गर्दन	अचानक	टूटेगा	और-नहीं	चंगाई।
	H0376		H7185	H6203	H6621	H7665	H0369	H4832

जो घुड़कियाँ खाकर भी अकड़ा रहता है, वह अचानक नष्ट हो जायेगा। उसका उपाय तक नहीं बचेगा।

2	בְּרִבּוֹת	צַדִּיקִים	יִשְׂמַח	הָעָם	וּבִמְשֹׁל	רָשָׁע	יֵאָנַח	עָם׃
	बढ़ने-में-	धर्मियों	आनन्दित-होती	प्रजा	और-शासन-में-	दुष्ट	कराहती	प्रजा।
		H6662	H8055		H4910	H7563	H0584	

जब धर्मी जन का विकास होता है, तो लोग आनन्द मनाते हैं। जब दुष्ट शासक बन जाता है तो लोग कराहते हैं।

3	אִישׁ־	אֹהֵב	חָכְמָה	יְשַׂמַּח	אָבִיו	וְרֹעֵה	זוֹנוֹת	יְאַבֵּד־	הוֹן׃
	मनुष्य-	प्रेम-करने-वाला	बुद्धि	आनन्दित-करता	पिता-अपने	और-मित्र-होने-वाला	वेश्याओं-का	नष्ट-करता-	धन।
	H0376	H0157	H2451	H8055	H0001		H2181	H0006	H1952

ऐसा जन जो विवेक से प्रेम रखता है, पिता को आनन्द पहुँचाता है। किन्तु जो वेश्याओं की संगत करता है, अपना धन खो देता है।

4	מֶלֶךְ	בְּמִשְׁפָּט	יַעֲמִיד	אֶרֶץ	וְאִישׁ	תְּרוּמוֹת	יֶהֱרְסֶנָּה׃	
	राजा	न्याय-से	स्थिर-करता	देश	और-मनुष्य	उपहारों-का	उजाड़ता-उसे।	
	H4428	H4941	H5975	H0776	H0376	H8641	H2040	

न्याय से राजा देश को स्थिरता देता है। किन्तु राजा लालची होता तो लोग उसे घूँस देते है अपना काम करवाने के लिये। तब देश दुर्बल हो जाता है।

5	גֶּבֶר	מַחֲלִיק	עַל־	רֵעֵהוּ	פֹּרֵשׂ	רֶשֶׁת	עַל־	פְּעָמָיו׃
	पुरुष	चिकना-करने-वाला	पर-	मित्र-अपने	फैलाता	जाल	पर-	पैरों-उसके।
	H1397			H7453	H6566	H7568		H6471

जो अपने साथी की चापलूसी करता है वह अपने पैरों के लिये जाल पसारता है।

6	בְּפֶשַׁע	אִישׁ	רָע	מוֹקֵשׁ	וְצַדִּיק	יָרוֹן	וְשָׂמֵחַ׃	
	अपराध-में-	मनुष्य	बुरे-का	फंदा	और-धर्मी	गाता	और-आनन्दित।	
		H0376		H4170	H6662		H8055	

पापी स्वयं अपने जाल में फंसता है। किन्तु एक धर्मी गाता और प्रसन्न होता है।

7	יֹדֵעַ	צַדִּיק	דִּין	דַּלִּים	רָשָׁע	לֹא־	יָבִין	דָּעַת׃
	जानता	धर्मी	मुकदमा	दीनों-का	दुष्ट	नहीं-	समझता	ज्ञान।
	H3045	H6662	H1779	H1800	H7563	H3808	H0995	H1847

सज्जन चाहते हैं कि गरीबों को न्याय मिले किन्तु दुष्टों को उनकी तनिक चिन्ता नहीं होती।

8	אַנְשֵׁי	לָצוֹן	יָפִיחוּ	קִרְיָה	וַחֲכָמִים	יָשִׁיבוּ	אָף׃	
	मनुष्य	ठट्ठा-करने-वाले	भड़काते	नगर	और-बुद्धिमान	लौटाते	क्रोध।	
	H0376	H3944	H6315	H7151	H2450	H7725	H0639	

जो ऐसा सोचते हैं कि हम दूसरों से उत्तम हैं, वे विपत्ति उपजाते और सारे नगर को अस्त—व्यस्त कर देते हैं। किन्तु जो बुद्धिमान होते हैं, शान्ति को स्थापित करते हैं।

9	אִישׁ־	חָכָם	נִשְׁפָּט	אֶת־	אִישׁ	אֱוִיל	וְרָגַז	וְשָׂחַק	וְאֵין	נָחַת׃
	मनुष्य-	बुद्धिमान	न्याय-करता	के-साथ-	मनुष्य	मूर्ख	और-क्रोधित-होता	और-हँसता	और-नहीं	शान्ति।
	H0376	H2450	H8199	H0854	H0376	H0191	H7264	H7832	H0369	

बुद्धिमान जन यदि मूर्ख के साथ में वाद—विवाद सुलझाना चाहता है, तब मूर्ख कुतर्क करता है और उल्टी—सीधी बातें करता जिससे दोनों के बीच सन्धि नहीं हो पाती।

10

אַנְשֵׁי	דָמִים	יִשְׂנְאוּ־	תָם	וִישָׁרִים	יְבַקְשׁוּ	נַפְשׁוֹ׃
मनुष्य	लहू-के	घृणा-करते-	सिद्ध	और-सीधे	खोजते	प्राण-उसका।
H0376	H1818	H8130	H8535	H3477	H1245	H5315

खून के प्यासे लोग, सच्चे लोगों से घृणा करते हैं। और वे उन्हें मार डालना चाहते हैं।

11

כָּל־	רוּחוֹ	יוֹצִיא	כְסִיל	וְחָכָם	בְּאָחוֹר	יְשַׁבְּחֶנָּה׃
सब-	आत्मा-अपनी	प्रकट-करता	मूर्ख	और-बुद्धिमान	पीछे-से	शान्त-करता-उसे।
H3605	H7307	H3318	H3684	H2450	H0268	

मूर्ख मनुष्य को तो बहुत शीध्र क्रोध आता है। किन्तु बुद्धिमान धीरज धरके अपने पर नियंत्रण रखता है।

12

מֹשֵׁל	מַקְשִׁיב	עַל־	דְּבַר־	שָׁקֶר	כָּל־	מְשָׁרְתָיו	רְשָׁעִים׃
शासक	कान-देने-वाला	पर-	वचन-	झूठ-के	सब-	उसके-सेवक	दुष्ट।
H4910	H7181		H1697	H8267	H3605	H8334	H7563

यदि एक शासक झूठी बातों को महत्व देता है तो उसके अधिकारी सब भ्रष्ट हो जाते हैं।

13

רָשׁ	וְאִישׁ	תְּכָכִים	נִפְגָּשׁוּ	מֵאִיר־	עֵינֵי	שְׁנֵיהֶם	יְהוָה׃
गरीब	और-मनुष्य	अत्याचारी	मिलते	प्रकाशित-करने-वाला-	आँखें	दोनों-की	यहोवा।
H7326	H0376	H8501	H6298	H0215		H8147	H3068

एक हिसाब से गरीब और जो व्यक्ति को लूटता है, वह समान है। यहोवा ने ही दोनों को बनाया है।

14

מֶלֶךְ	שׁוֹפֵט	בֶּאֱמֶת	דַּלִּים	כִּסְאוֹ	לָעַד	יִכּוֹן׃
राजा	न्याय-करने-वाला	सच्चाई-से	दीनों-का	सिंहासन-उसका	सदा-के-लिए	स्थिर।
H4428	H8199	H0571	H1800	H3678	H5703	

यदि कोई राजा गरीबों पर न्यायपूर्ण रहता है तो उसका शासन सुदीर्ध काल बना रहेगा।

15

שֵׁבֶט	וְתוֹכַחַת	יִתֵּן	חָכְמָה	וְנַעַר	מְשֻׁלָּח	מֵבִישׁ	אִמּוֹ׃
छड़ी	और-डाँट	देती	बुद्धि	और-बालक	खुला-छोड़ा-हुआ	लज्जित-करता	माता-अपनी।
H7626		H5414	H2451	H5288	H7971	H0954	H0517

दण्ड और डाँट से सुबुद्धि मिलती है किन्तु यदि माता—पिता मनचाहा करने को खुला छोड़ दे, तो वह निज माता का लज्जा बनेगा।

16

בִּרְבוֹת	רְשָׁעִים	יִרְבֶּה־	פָּשַׁע	וְצַדִּיקִים	בְּמַפַּלְתָּם	יִרְאוּ׃
बढ़ने-में-	दुष्टों	बढ़ता-	अपराध	और-धर्मी	उनके-पतन-में	देखेंगे।
	H7563		H6588	H6662	H4658	H7200

दुष्ट के राज्य में पाप, पनप जाते हैं किन्तु अन्तिम विजय तो सज्जन की होती है।

17

יַסֵּר	בִּנְךָ	וִינִיחֶךָ	וְיִתֵּן	מַעֲדַנִּים	לְנַפְשֶׁךָ׃	פ
अनुशासित-कर	बेटे-अपने	और-वह-आराम-देगा-तुझे	और-वह-देगा	स्वादिष्ट-भोजन	प्राण-तेरे-को।	—
H3256		H5117	H5414	H4574	H5315	

पुत्र को दण्डित कर जब वह अनुचित करे, फिर तो तुझे उस पर सदा ही गर्व रहेगा। वह तेरी लज्जा का कारण कभी नहीं होगा।

18

בְּאֵין	חָזוֹן	יִפָּרַע	עָם	וְשֹׁמֵר	תּוֹרָה	אַשְׁרֵהוּ׃
बिना-	दर्शन	अनियंत्रित-होती	प्रजा	और-पालन-करने-वाला	व्यवस्था	धन्य-वह।
H0369	H2377			H8104	H8451	H0835

यदि कोई देश परमेश्वर की राह पर नहीं चलता तो उसे देश में शांति नहीं होगी। वह देश जो परमेश्वर की व्यवस्था पर चलता, आनन्दित रहेगा।

19

בִּדְבָרִים	לֹא־	יִוָּסֶר	עָבֶד	כִּי־	יָבִין	וְאֵין	מַעֲנֶה׃
वचनों-से	नहीं-	अनुशासित-होता	दास	क्योंकि-	वह-समझता	और-नहीं	उत्तर।
H1697	H3808	H3256	H5650		H0995	H0369	H4617

केवल शब्द मात्र से दास नहीं सुधरता है। चाहे वह तेरे बात को समझ ले, किन्तु उसका पालन नहीं करेगा।

מִמֶּֽנּוּ׃	לִכְסִיל	תִּקְוָה	בִּדְבָרָיו	אָץ	אִישׁ	חָזִיתָ	20
उससे।	मूर्ख-के-लिए	आशा	वचनों-में-अपने	जल्दबाज़	मनुष्य	देखता-है-तू	
	H3684		H1697	H0213	H0376	H2372	

यदि कोई बिना विचारे हुए बोलता है तो उसके लिये कोई आशा नहीं। अधिक आशा होती है एक मूर्ख के लिये अपेक्षा उस जन के जो विचार बिना बोले।

מָנֽוֹן׃	יִהְיֶה	וְאַחֲרִיתוֹ	עַבְדּוֹ	מִנֹּעַר	מְפַנֵּק	21
विद्रोही।	होगा	और-अन्त-में-वह	दास-अपने	बचपन-से	लाड़-प्यार-करने-वाला	
H4497	H1961	H0319	H5650	H5290	H6445	

यदि तू अपने दास को सदा वह देगा जो भी वह चाहे, तो अंत में— वह तेरा एक उत्तम दास नहीं रहेगा।

פָּֽשַׁע׃	רַב־	חֵמָה	וּבַעַל	מָדוֹן	יְגָרֶה	אַף	אִישׁ־	22
अपराध।	बहुत-	गर्मी-का	और-स्वामी	झगड़ा	भड़काता	क्रोधी	मनुष्य-	
H6588		H2534	H1167	H4066	H1624	H0639	H0376	

क्रोधी मनुष्य मतभेद भड़काता है, और ऐसा जन जिसको क्रोध आता हो, बहुत से पापों का अपराधी बनता है।

כָּבֽוֹד׃	יִתְמֹךְ	רֽוּחַ	וּשְׁפַל־	תַּשְׁפִּילֶנּוּ	אָדָם	גַּאֲוַת	23
आदर।	थामता	आत्मा	और-नम्र-	नीचा-करता-उसे	मनुष्य-का	घमण्ड	
H3519	H8551	H7307	H8217	H8213	H0120	H1346	

मनुष्य को अहंकार नीचा दिखाता है, किन्तु वह व्यक्ति जिसका हृदय विनम्र होता आदर पाता है।

יַגִּֽיד׃	וְלֹא	יִשְׁמַע	אָלָה	נַפְשׁוֹ	שׂוֹנֵא	גַּנָּב	עִם־	חוֹלֵק	24
बताता।	और-नहीं	सुनता	शपथ	प्राण-अपने	घृणा-करता	चोर	के-साथ-	बाँटने-वाला	
H5046	H3808	H8085	H0423	H5315	H8130	H1590			

जो चोर का संग पकड़ता है वह अपने से शत्रुता करता है; क्योंकि न्यायालय में जब उस पर सच उगलने को जोर पड़ता है तो वह कुछ भी कहने से बहुत डरा रहता है।

יְשֻׂגָּֽב׃	בַּיהוָה	וּבוֹטֵחַ	מוֹקֵשׁ	יִתֵּן	אָדָם	חֶרְדַּת	25
सुरक्षित।	यहोवा-पर	और-भरोसा-करने-वाला	फंदा	देता	मनुष्य-का	डर	
H7682	H3068	H0982	H4170	H5414	H0120	H2731	

भय मनुष्य के लिये फँदा प्रमाणित होता है, किन्तु जिसकी आस्था यहोवा पर रहती है, सुरक्षित रहता है।

אִֽישׁ׃	מִשְׁפַּט־	וּמֵיְהוָה	מוֹשֵׁל	פְנֵי־	מְבַקְשִׁים	רַבִּים	26
मनुष्य-का।	न्याय-	और-यहोवा-से	शासक-का	चेहरा-	खोजने-वाले	बहुत	
H0376	H4941	H3068	H4910	H6440	H1245		

बहुत लोग राजा के मित्र होना चाहते हैं, किन्तु वह यहोवा ही है जो जन का सच्चा न्याय करता है।

פ	דָּֽרֶךְ׃	יְשַׁר־	רָשָׁע	וְתוֹעֲבַת	עָוֶל	אִישׁ	צַדִּיקִים	תּוֹעֲבַת	27
—	मार्ग।	सीधा-	दुष्ट-को	और-घृणित	अन्यायी	मनुष्य	धर्मियों-को	घृणित	
	H1870	H3477	H7563	H8441		H0376	H6662	H8441	

सज्जन घृणा करते हैं ऐसे उन लोगों से जो सच्चे नहीं होते; और दुष्ट सच्चे लोगों से घृणा रखते हैं।